<u>विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय</u>

<u>वर्ग- दशम्</u>

<u>विषय -हिंदी</u>

<u>// पाठ्य सामग्री //</u>

<u>बच्चों आज की कक्षा में हम राम लक्ष्मण परशुराम संवाद में निहित छंद दोहा एवं चौपाई से परिचित कराने जा रहे हैं ।</u>

<u>निर्देश -आप दी गई सामग्री को ध्यान पूर्वक पढ़ें और समझने का प्रयास करें तथा कोई जिज्ञासा हो तो संबंधित वर्ग समूह में प्रश्न करें । इसे अपनी कॉपी में जरूर लिख कर रखें ।</u>

दोहा:

लक्षण :

- यह एक अर्ध सम मात्रिक छंद है.
- इस के चार चरण होते है.
- पहले और तीसरे चरण में १३-१३ मात्राए होती है.
- दुसरे और चौथे चरण में ११ -११ मात्राए होती है.
- चरण के अंत में तुकबंदी होती है.

मात्राए गिनती करने का तरीका : बिना मात्रा वाले अक्षर, अथवा छोटी मात्रा वाले अक्षर को १ (I) मात्रा मानेंगे. तथा बड़ी मात्रा वाले अक्षर में २ (S) मात्रा लगायेंगे. छोटी मात्राये : ि , ु ,

बड़ी मात्रा : ा, ी , ू , े े, ै ै, ो, ौ, ं ं, ः .

१ मात्रा को (I) से तथा २ मात्रा को (S) से दर्शाते है.

.उदहारण:
I I I I S S S I S =13

रहिमन धागा प्रेम का, १३ मात्राए है

I I S S I I S I =11

मत तोड़ो चटकाय, ११ मात्राए है

S S S I I I S S = 13

टूटे से फिर न जुड़े, १३ मात्राए है

I S SI I I S I =11

जुड़े गाँठ परिजाय. ११ मात्राए है

आपको ऐसे असंख्य दोहे मिल जायेंगे, पर ध्यान रहे कुछ दोहे ऐसे भी है जिनमे मात्रा के अंकन में गलतियाँ हो सकती है.

चौपाई:

लक्षण :

- यह एक सम मात्रिक छंद है.

- इस के चार चरण होते है.
- प्रत्येक चरण में १६-१६ मात्राए होती है.
- चरण के अंत में तुकबंदी होती है.

I I I I S I S I II S I I =16

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर,

I I I S I I S S I I S I I = 16